विभागाध्यक्ष प्रो. रत्नेश विष्वक्सेन द्वारा `अँधेरे में` कविता पर एकल व्याख्यान

अखरावट कार्यक्रम की श्रृखला में मुक्तिबोध की रचना-प्रक्रिया, काव्य-तत्व, फंतासी का स्वरूप और `अँधेरे में` कविता के संदर्भ में मध्यवर्गीय बौद्धिक की सामाजिक चेतनता और कवि के वैशिष्ट्य के संदर्भ में कुशल और समृद्ध व्याख्यान दिया।

टी एस ईलियट कृत `द वेस्ट लैंड:रचना एवं आलोचना` विषय पर प्रो. श्रेया भट्टाचार्य का व्याख्यान

टी एस ईलियट की काव्यगत अवधारणाएँ, साहित्यिक संदर्भों में उनकी काव्यगत और आलोचनात्मक मूल्यों और मानदंडों का वैश्विक अवदान आदि विषयों पर टी एस ईलियट की रचना `द वेस्टलैंड` पर प्रो. श्रेया भट्टाचार्य के एकल व्याख्यान से विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

जयशंकर प्रसाद जयंती

विश्व कवि जयशंकर प्रसाद की जयंती हिन्दी विभाग में मनाई गई। भारतीय संस्कृति के अन्यतम पक्षधर और छायावाद के अटल स्तम्भ के रूप में प्रसाद जी की पुण्यस्मृतियों को नमन किया गया। इस अवसर पर उनके जीवनाधारित वृतचित्र को देखा-समझा गया। विभागाध्यक्ष प्रो. रत्नेश विष्वक्सेन ने सुंदर व्याख्यान प्रस्तुत किया।अंत मे विद्यार्थियों ने प्रसाद की कविताओं का गायन प्रस्तुत किया।

अखरावट कार्यक्रम की श्रृंखला में स्नातक और परास्नातक के विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से प्रेमचंद की अमर कहानी `कफ़न` का मार्मिक नाटकीय रूपांतरण प्रस्तुत किया।

प्रेमचंद की कहानी `कफन` का नाट्य रूपांतरण प्रदर्शित किया गया।

`प्रेमचंद को पढ़ते हुए` विषय पर विनोबा भावे विश्वविद्यालय,हजारीबाग के प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह का व्याख्यान।

`प्रेमचंद को पढ़ते हुए` विषय पर प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह ने उत्कृष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रेमचंद को सामाजिक संदर्भों के साथ-साथ पारिवारिक संदर्भों में भी पढे जाने पर बल दिया। साहित्य में प्रेमचंद की भूमिका और अवदान तो स्पष्ट लक्षित होते है किन्तु परिवार और व्यक्ति के स्तर पर समाज में प्रेमचंदीय मूल्य कितने हासिल हो पाए है इस पर भी बातचीत हुई। आदर्श और यथार्थ पर भी प्रेमचंद के संदर्भ में बातचीत हुई।

डॉ ब्यूटी यादव ,सहायक प्राध्यापिका,अंग्रेजी विभाग,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा `साहित्य की प्रासंगिकता` पर व्याख्यान दिया गया।

`साहित्य की प्रासंगिकता` विषय पर डॉ. ब्यूटी यादव ने जरूरी और सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। साहित्य और समाज के बुनियादी संबंधों के बारे मे बताया और साहित्य की तात्कालिक चुनौतियों पर भी श्रोताओं का ध्यान केंद्रित किया।

आजकल
जुलाई, 2023
सिद्धार्थ
परिणीता

अंतर्मन

अंतर्मन
टैगोर जयंती विशेषांक

अक्षरवट
तुलसीदास
रामायण

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
जयंती समारोह

पंचम
जयंती समारोह
सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
जयंती समारोह
हिन्दी विभाग

भागलपुर
हिंदी विभाग, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
विषय -

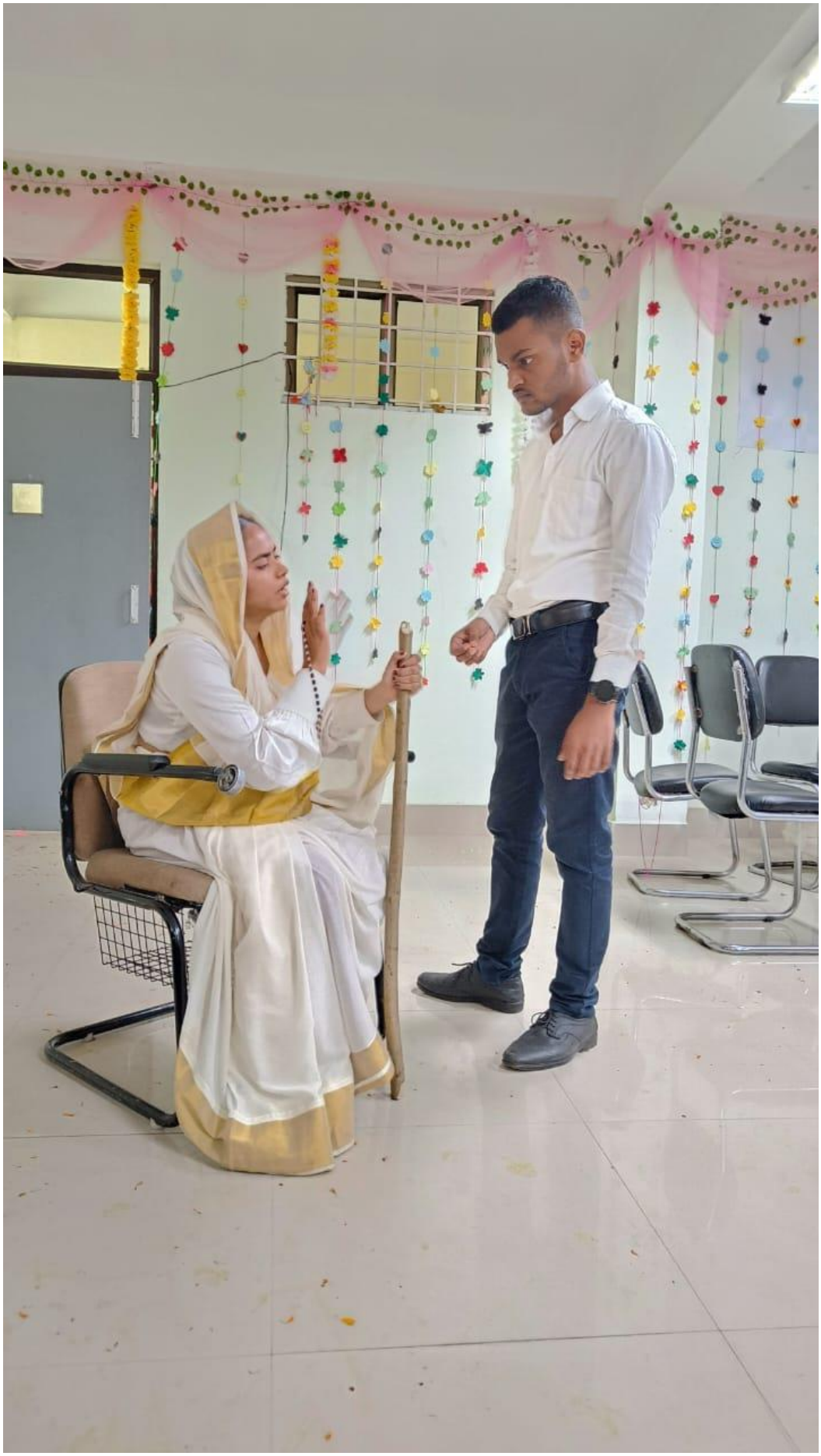

अंतर्मन
प्रेमचंद जयंती
नामवर सिंह जयंती
28 जुलाई
'निन्दा'
बिछा कर बैठने की चीज है, ओढ़ने की नहीं
नामवर सिंह
'रचना और आलोचना साहित्य की दो आँखें हैं इसके बिना साहित्य की तस्वीर मुकम्मल नहीं हो सकती'
नामवर सिंह